दैनिक

न्याय साक्षी

अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्यायसाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 || Postal Registration No-055/Raigarh DN CG || रायगढ़, सोमवार 27 अप्रैल 2020 || पृष्ठ-4, मूल्य 3 रूपए || वर्ष-02, अंक- 207

रमजान में करें ज्यादा इबादत ताकि ईद से पहले दुनिया बने कोरोना मुक्तः मोदी

नई दिल्ली (आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कोरोना वायरस संकट और लॉकडाउन के बीच दूसरी बार मन की बात के जरिए देशवासियों को संबोधित करते हुए कहा कि इस बार रमजान में पहले से ज्यादा इबादत करें ताकि ईद आने से पहले दुनिया कोरोना वायरस से मुक्त हो जाए। उन्होंने कहा कि कोविड-19 के खिलाफ लड़ाई में देश का हर नागरिक सिपाही है। वहीं उन्होंने देशवासियों को अक्षय तृतीया, रमजान की बधाई दी और लोगों से दो गज दूरी का पालन करने का अनुरोध दोहराया।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि पिछले दिनों ही हमारे यहां बिहू, बैसाखी, पुथंडू, विशु, ओड़िया न्यू ईयर ऐसे अनेक त्योहार आए। हमने देखा कि लोगों ने कैसे इन त्योहारों को घर में रहकर, सादगी के साथ मनाया। लॉकडाउन के नियमों का पालन किया। इस बार हमारे ईसाई दोस्तों ने ईस्टर भी घर पर ही मनाया है। इस वैश्विक-महामारी, कोविड-19 के संकट के बीच आपके परिवार के एक सदस्य के नाते, और आप सब भी मेरे ही परिवार-जन हैं, तब कुछ संकेत करना, कुछ सुझाव देना, यह मेरा दायित्व भी बनता है।

रमजान को बनाएं सेवा भाव का प्रतीक

रमजान का भी पवित्र महीना शुरू हो चुका है। अब अवसर है इस रमजान को संयम, सद्भावना, संवेदनशीलता और सेवा-भाव का प्रतीक बनाएं। इस बार हम, पहले से ज्यादा इबादत करें ताकि ईद आने से पहले दुनिया कोरोना से मुक्त हो जाए। मुझे विश्वास है कि रमजान के इन दिनों में स्थानीय प्रशासन के दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए कोरोना के खिलाफ चल रही इस लड़ाई को हम और मजबूत करेंगे।

हर नागरिक कोरोना का योद्धा

भारत जैसा विशाल देश, जो विकास के लिए प्रयत्नशील है, गरीबी से निर्णायक लड़ाई लड़ रहा है। उसके पास कोरोना से लड़ने और जीतने का यही एक तरीका है और हम भाग्यशाली हैं कि, आज पूरा देश, देश का हर नागरिक, जन-जन इस लड़ाई का सिपाही है, लड़ाई का नेतृत्व कर रहा है। जब पूरा विश्व इस महामारी के संकट से जूझ रहा है। भविष्य में जब इसकी चर्चा होगी, उसके तौर-तरीकों की चर्चा होगी, मुझे विश्वास है कि भारत की यह पीपुल ड्रिवन लड़ाई, इसकी जरूर चर्चा होगी कि आज पूरा देश एक लक्ष्य पर चल रहा है। गरीबों के लिए खाने से लेकर, राशन, लॉकडाउन का पालन हो, अस्पतालों की व्यवस्था हो, मेडिकल इक्विपमेंट का देश में ही निर्माण-आज पूरा देश, एक लक्ष्य, एक दिशा, साथ-साथ चल रहा है। जिस जज्बे से देशवासियों ने, कुछ-न-कुछ करने की ठान ली - हर किसी को इन बातों ने प्रेरित किया है। हमारे किसान भाई-बहन इस महामारी के बीच अपने खेतों में दिन-रात मेहनत कर रहे हैं और इस बात की भी चिंता कर रहे हैं कि देश में कोई भी भूखा ना सोए। हर कोई, अपने सामर्थ्य के हिसाब से, इस लड़ाई को लड़ रहा है। कोई अपनी पूरी पेंशन, पुरस्कार राशि को, पीएम केयर्स में जमा करा रहा है। कोई खेत की सारी सब्जियां दान दे रहा है, कोई मास्क बना रहा है, कहीं मजदूर भाई-बहन क्वारंटीन बाद स्कूल की रंगाई-पुताई कर रहे हैं।

थूकने की आदत छोड़नी चाहिए

हमारे समाज में एक और बड़ी

अमेरिका में 9 लाख से अधिक कोरोना से प्रभावित, 52 हजार से ज्यादा की मौत

वाशिंगटन,26 अप्रैल । अमेरिका में कोविड-19 संक्रमण के चलते शनिवार तक जहां एक ओर 9 लाख से अधिक लोग संक्रमित हुए, वहीं कोरोना महामारी के चलते 52 हजार से ज्यादा मौतें देखने को मिली है। जॉन्स हॉपकिन्स यूनिवर्सिटी ने इस बात की जानकारी दी। वहीं, एक नए अध्ययन से संकेत मिले हैं कि इस बात की पूरी संभावना है कि जब तक किसी को पता चलता, उससे बहुत पहले ही वायरस यूएस के कई शहरों में फैल चुका था।

समाचार एजेंसी सिन्हुआ ने यूनिवर्सिटी के सेंटर फॉर सिस्टम साइंस एंड इंजीनियरिंग (सीएसएसई) द्वारा जारी नवीनतम आंकड़ों के हवाले से कहा, देश में स्थानीय समयानुसार सुबह 10.30 (1430जीएमटी) तक कोविड-19 मामलों की कुल संख्या 9 लाख पांच हजार 364 थी, जबकि महामारी के चलते अमेरिका में 52,042 मौतें दर्ज की गई।

कोरोना संक्रमण से प्रभावित देश के किसी भी अन्य स्टेट की तुलना में न्यूयॉर्क कुल 21,411 मौतों सहित दो लाख 71 हजार 590 मामलों के साथ शीर्ष स्थान पर बना हुआ है। इसके बाद 5,683 मौतों और कुल एक लाख दो हजार 196 संक्रमित मामलों सहित न्यू जर्सी दूसरे स्थान पर है। वहीं 40 हजार से अधिक मामलों वाले अन्य स्टेट्स में मैसाचुसेट्स, कैलिफोर्निया और पेंसिल्वेनिया शामिल हैं।

सीएसएसई के डेटा के अनुसार, कोविड-19 संक्रमण के चलते शनिवार तक वैश्विक रूप से दो लाख लोगों की मौत हो गई और अब तक कुल 28 लाख से अधिक मामले भी देखने को मिले हैं।

महत्वपूर्ण एवं खास

कोरोना के खिलाफ देश भर में महायज्ञ जनता लड़ रही लड़ाई

नई दिल्ली, (आरएनएस)। कोरोना के खिलाफ देश भर में जारी जंग की तुलना महायज्ञ से करते हुए पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा है कि सही मायने में यह लड़ाई देश की जनता लड़ रही है। आकाशवाणी पर मन की बात कार्यक्रम में उन्होंने सामाजिक दूरी की जगह दो गज दूरी बहुत जरूरी का नया मंत्र दिया। उन्होंने कहा कि जनता के नेतृत्व में कोरोना के खिलाफ जंग में पूरा देश एकजुट हो कर एक लक्ष्य की ओर एक दिशा के साथ आगे बढ़ रहा है। पीएम ने अपने संबोधन में अक्षय तृतिया सहित रमजान के पवित्र महीने का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि लॉकडाउन के दौरान देश की जनता ने कई पर्व बेहद सादगी से मनाए हैं। अब इसी लॉकडाउन में रमजान के पवित्र महीने की शुरुआत हुई है। इस पवित्र महीने में पहले से ज्यादा इबादत करें। जिससे ईद के आने से पहले देश में कोरोना वायरस खत्म हो जाए।

96 पुलिसकर्मियों की कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव-एक ने तोड़ा दम

मुंबई ,(आरएनएस)। महाराष्ट्र में कोरोना वायरस के बढ़ते मामलों ने हर किसी को हैरान कर रखा है। प्रदेश में अब तक 7,628 पॉजिटिव केस सामने आए हैं। वहीं, मुंबई में पिछले 48 घंटों में 23 कोरोना मरीजों ने दम तोड़ दिया। इसमें मुंबई में कोविड-19 से संक्रमित पुलिस के 57 वर्षीय हवलदार भी शामिल हैं। उन्होंने शनिवार को मुंबई के एक निजी अस्पताल में दम तोड़ दिया।

दरअसल, महाराष्ट्र में पुलिसकर्मियों को दो मोर्चों पर लड़ाई लड़नी पड़ रही है। वो कोरोना से भी लड़ रहे हैं और लोगों से भी। सूत्रों के अनुसार, शनिवार दोपहर तक महाराष्ट्र में लॉकडाउन के दौरान 148 पुलिसकर्मियों पर हमले हुए। पुलिस पर हमले में 477 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने लॉकडाउन के उल्लंघन में अब तक 14,955 लोगों को गिरफ्तार किया है। इस दौरान 47 हजार से ज्यादा वाहन जब्त किए हैं और 2 करोड़ 63 लाख रुपये से ज्यादा का लोगों पर जुर्माना भी लगाया है।

इटली में कोरोना से होने वाली मौतों में आयी कमी

रोम,(आरएनएस)। कोरोना वायरस (कोविड-19) महामारी से बुरी तरह प्रभावित यूरोपीय देश इटली में शनिवार को छह सप्ताह में कोरोना से मरने वालों की संख्या में कमी आयी है। ताजा रिपोर्ट के अनुसार शनिवार को यहां 415 मौत हुई हैं।देश के नागरिक सुरक्षा विभाग के आंकड़ों के अनुसार शुक्रवार को 420 लोगों की मौत हुयी थी और शनिवार को यह संख्या पांच घटकर 415 हो गई। इटली में इस वर्ष की शुरुआत में कोरोना वायरस महामारी फैलने के बाद से 26384 लोगों की मौत हो चुकी है।ताजा आंकड़ों के अनुसार पिछले दिनों कीतुलना में संक्रमितों की संख्या घटकर 105847 हो गई है। देश में महामारी फैलने के बाद 10 मार्च को लॉकडाउन किया गया था। जिसे बाद में तीन मई तक बढ़ा दिया गया।कोरोना वायरस इमरजेंसी के आयुक्त डॉमेनिको अर्चुरी ने शनिवार को एक टेलीविजन प्रसारण में कहा कि देश में तीन मई को लॉकडाउन का अंतिम दिन है और इसके हटने के बाद हम सभी के व्यक्तिगत फैसलों और सहयोग से कोरोना की लड़ाई में मदद मिलेगी।

हवाई हमले में सात आतंकवादी ढेर

काबुल,(आरएनएस)। अफगानिस्तान के पूर्वी लोगर प्रांत में शनिवार मध्यरात्रि के बाद वायु सेना के हवाई हमले में सात तालिबानी आतंकवादी मारे गए।अफगान नेशनल आर्मी स्पेशल ऑपरेशंस कोर ने एक बयान में कहा, अफगानिस्तान वायु सेना ने स्थानीय समयानुसार कल मध्यरात्रि के बाद 2:17 बजे लोगर प्रांत की राजधानी पुल-ए-आलम के बाहरी इलाके में स्थित नासरी गांव में हवाई हमले कर सात दुश्मनों को मार गिराया।बयान में कहा गया है कि इन आतंकवादियों ने वायु सेना की कार्रवाई से पहले सुरक्षा बलों के ठिकानों पर हमला करने की कोशिश की थी। सुरक्षा बलों ने यह कार्रवाई इस खुफिया जानकारी आधार पर की कि तालिबान आतंकवादी सुरक्षा बलों पर हमले करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने पिछले सप्ताह अफगान नेशनल डिफेंस एंड सिक्योरिटी फोर्सेज के खिलाफ कई हमले किए हैं।आतंकवादी समूह ने इस घटना पर अब तक कोई प्रतिक्रिया नहीं दी।

कोरोना वायरस के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे कई लोग गिरफ्तार

बर्लिन,(आरएनएस)। जर्मनी पुलिस ने कोरोना वायरस के कारण लगाए लॉकडाउन के नियमों का उल्लंघन करने पर बर्लिन में कई प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तार किया। ये प्रदर्शनकारी लॉकडाउन के नियमों के विरोध में प्रदर्शन कर रहे थे। जर्मनी की राजधानी बर्लिन में करीब 1,000 लोग रैली के लिए एकत्रित हुए। शनिवार को हुए इस प्रदर्शन में ज्यादातर घोर वामपंथी कार्यकर्ता शामिल हुए लेकिन साथ ही दक्षिणपंथी समर्थक और अन्य समूहों के सदस्य भी मौजूद थे। पुलिस ने रोजा लक्जमबर्ग स्क्वेयर पर अवरोधक लगाए। प्रदर्शनकारी उस ओर कूच कर रहे थे। पुलिस ने ट्विटर पर कहा कि यह प्रदर्शन कोविड-19 वायरस को फैलने से रोकने के लिए लगाए नियमों के विरुद्ध था। इसमें प्रदर्शनकारियों से तितर-बितर होने को कहा गया। कुछ प्रदर्शनकारियों ने चांसलर एंजेला मर्केल पर ''जीवन पर प्रतिबंध'' लगाने का आरोप लगाया जबकि अन्यों ने केवल ''आजादी'' की मांग की। बर्लिन में 20 से अधिक लोगों के एकत्र होने पर पाबंदी के चलते यह प्रदर्शन गैरकानूनी था। अन्य देशों की तरह जर्मनी में लॉकडाउन नियमों को लेकर जनता में असंतोष धीरे-धीरे बढ़ रहा है। हालांकि मर्केल की लोकप्रियता अब भी चरम पर है। मर्केल की इस स्वास्थ्य संकट से निपटने की तैयारी को लेकर

कोरोना से जंग जीतने सरकार का मेगाप्लान तैयार

11 राज्यों के 27 जिलों में युद्ध स्तर की तैयारी ,इन्हीं 27 जिलों में हैं देश भर के 70 फीसदी मरीज , तीन मई तक बरती जाएगी शीर्ष स्तर पर सावधानी

नई दिल्ली ,(आरएनएस)। कोरोना की महामारी से निपटने के लिए सरकार ने मेगाप्लान तैयार कर लिया है। अगले एक हफ्ते में सरकार की योजना 11 राज्यों के 27 जिलों में कोरोना के खिलाफ सारी ताकत झोंक देने की है। ये वे जिले हैं जहां देश के करीब 70 फीसदी कोरोना संक्रमित मरीज हैं। इन जिलों के लिए खास तैयारी के बाद ही सरकार ने लॉकडाउन में धीरे धीरे छूट देने का सिलसिला शुरू किया है।कोरोना के मोर्चे पर लगातार संघर्ष कर रही सरकार के लिए कुछ आंकड़े राहत भी खबर ले कर आए हैं। लॉकडाउन, सामाजिक दूरी के मंत्र के बदौलत कोरोना वायरस देश के कुछ खास हिस्सों में ही दुष्प्रभाव छोड़ पाया है। इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि देश के कुल 26000 कोरोना मरीजों में 70 फीसदी (करीब 18000) मरीज देश के 11 राज्यों के 27 जिले तक ही सीमित हो कर गए हैं। इसी आंकड़े ने सरकार को देश भर में जारी लॉकडाउन में छूट देने का सिलसिला शुरू करने का साहस दिया है। सूत्रों ने बताया कि कंटोनमेंट इलाकों को छोड़ कर देश के सभी हिस्सों में सीमित संख्या में दुकानें खोलने की अनुमति इसी आंकड़े से उत्साहित हो कर दिया गया। प्रधानमंत्री द्वारा गठित रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता वाले मंत्री समूह (जीओएम) ने इसी आधार पर लॉकडाउन में छूट की सिफारिश की थी। सूत्रों का कहना है कि तीन मई को खत्म हो रहे लॉकडाउन के दूसरे चरण के बाद कई और बड़ी राहतों की घोषणा की जाएगी। इन जिलों के अलावा कुछ जिलों में कड़ी शर्तों के बाद सरकार बड़ी छूट देगी।

क्या है रणनीति

सरकार की रणनीति 11 राज्यों के उन 27 जिलों की घेरेबंदी करने की है जहां देश भर के करीब 70 फीसदी मरीज हैं। इन जिलों में लॉकडाउन का बेहद सख्ती से पालन कराने के साथ ही कोरोना टेस्ट की रफ्तार भी बेहद तेज की जाएगी। सरकार की योजना तीन मई के बाद इन जिलों में संक्रमितों की संख्या को हर हाल में बढ़ने देने से रोकने की है। सरकार को उम्मीद है कि मई के पहले हफ्ते के बाद देश में कोरोना मरीजों की संख्या स्थिर होने के संकेत मिलने लगेंगे।

अहमदाबाद-मुंबई की सर्वाधिक चिंता

सरकार गुजरात के तीन जिलों अहमदाबाद, सूरत और बरोदा के अलावा महाराष्ट्र के तीन जिलों मुंबई, पुणे और ठाणे को ले कर बेहद चिंतित है।

दिल्ली में नहीं मिलेगी लॉकडाउन में ढील, रिहायशी इलाकों में इक्का-दुक्का दुकानें ही खुलेंगीः केजरीवाल

नईदिल्ली,(आरएनएस)। दिल्ली सरकार ने राष्ट्रीय राजधानी में लॉकडाउन में किसी तरह की ढील नहीं देने का ऐलान करते हुए कहा कि केंद्रीय गृह मंत्रालय ने जो दिशानिर्देश जारी किये हैं उसी के अनुसार ही रिहायशी इलाकों में, इक्का-दुक्का दुकानों को खोलने की अनुमति दी जाएगी। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने मीडिया से कहा कि गृह मंत्रालय ने रिहायशी इलाकों की जिन इक्का-दुक्का दुकानों को खोलने की अनुमति दी है और दिल्ली सरकार केवल उनकी ही स्वीकृति देगी। निर्यंत्रण क्षेत्र में इनकी अनुमति नहीं होगी। उन्होंने कहा लॉकडाउन की 27 अप्रैल को समीक्षा की है। दिल्ली में शापिंग माल और थोक बाजारों को खोलने की अनुमति नहीं दी जाएगी। केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली में पिछले कुछ समय से कोरोना वायरस के मरीजों की संख्या घटी है और गत सप्ताह 622 मरीज आए। काफी संख्या में मरीज ठीक भी हुए हैं। मौतें भी कम हुई हैं। दिल्ली में कोरोना के 2625 मरीज हैं और 54 की मौत हुई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वह स्वयं एक-एक मरीज पर नजर रख रहे हैं। एक-एक व्यक्ति की जान कीमती है। कठिनाई का समय है और सबको मिलकर साथ चलने की जरूरत है तथा जिस मेहनत से कोरोना पर नियंत्रण में जो मदद मिली है उसको आगे भी बनाये रखना है। उन्होंने कोरोना से ठीक हुए लोगों से प्लाज्मा दान करने की फिर अपील करते हुए कहा कि यह दूसरे संक्रमितों की जान बचाने में कारगर नजर आ रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा एलएनजेपी में कोरोना से गंभीर मरीज को प्लाज्मा देने से उसकी हालत में सुधार हुआ है। इसे देखते हुए जो मरीज ठीक हुए हैं और वह प्लाज्मा देने के लिए आगे आएं, जिससे अन्य का उपचार ठीक करने में मदद मिले।

सरकार के कोरोना सहायता योजना के अंतर्गत 1000 रुपये देने का दावा फर्जी

नईदिल्ली,(आरएनएस)। पत्र सूचना कार्यालय (पीआईबी) की फैक्ट चेक यूनिट ने शनिवार को एक ट्वीट के माध्यम से स्पष्ट किया कि भारत सरकार तथाकथित कोरोना सहायता योजना के अंतर्गत किसी भी व्यक्ति को 1,000 रुपये की सहायता नहीं देने जा रही है। यह ट्वीट वाट्सऐप पर तेजी से प्रसारित हो रहे एक संदेश को देखते हुए किया गया है, जिसमें दावा किया गया था कि सरकार ने एक योजना डब्ल्यूसीएचओ का शुभारम्भ किया है,

जिसके अंतर्गत लोगों को 1,000 रुपये प्रति व्यक्ति दिए जा रहे हैं। संदेश में क्लिक करने के लिए एक लिंक दिया गया है और जानकारी उपलब्ध कराई जाती है।ट्वीट में स्पष्ट किया गया है कि दावा और दिया गया लिंक दोनों झूठे हैं। इस पर क्लिक करने के प्रति लोगों को आगाह किया जाता है।

फ्रांस में मृतकों की संख्या बढ़कर 22,614

पेरिस,(आरएनएस)। फ्रांस में पिछले 24 घंटों में कोविड-19 से संक्रमित 369 मरीजों की मौत के बाद शनिवार तक कोरोनावायरस संक्रमण के चलते मरने वालों की कुल संख्या बढ़कर 22,614 हो गई।

हेल्थ मिनिस्ट्री ने इस बात की जानकारी देते हुए कहा कि मौत के आंकड़ों में वृद्धि के बाद भी इंटेंसिव केयर यूनिट (आईसीयू) में भर्ती होने वाले कुल संक्रमित मरीजों की संख्या में कमी देखी जा रही है।

समाचार एजेंसी सिन्हुआ ने मिनिस्ट्री की ओर से जारी आंकड़ों के हवाले से कहा, पिछले 24 घंटों में अकेले अस्पतालों में हुई 198 अन्य मौतों के चलते यहां हॉस्पिटल में मरने वालों की कुल संख्या बढ़कर 14,050 हो गई है। यह एक महीने में डेली आंकड़ों में आई कमी है।

मिनिस्ट्री ने कहा कि वर्तमान में कुल 4,725 कोरोना संक्रमित मरीज इंटेंसिव केयर यूनिट में भर्ती हैं।

प्रधानमंत्री ने लोगों से कोरोना को परास्त करने का विश्वास जगाया : जावड़ेकर

नई दिल्ली,(आरएनएस)। सूचना एवं प्रसारण मंत्री प्रकाश जावड़ेकर ने रविवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने कार्यक्रम 'मन की बात' में देशवासियों को आत्म अनुशासन की बदौलत अगले महीने ईद का पर्व आने तक कोरोना को परास्त करने का भरोसा दिया है। जावड़ेकर ने ट्वीट कर कहा कि आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने 'मन की बात' में पूरे देश के साथ संवाद करके विश्वास दिलाया कि हम सब मिलकर अनुशासन का पालन करेंगे, दो गज दूरी बनाये रखेंगे, मास्क पहनेंगे और घर में ज्यादा से ज्यादा रहेंगे तो इसका परिणाम यह होगा कि कोरोना को हराएंगे। जावड़ेकर ने कहा प्रधानमंत्री मोदी ने लोगों में आत्म अनुशासन का जिक्र करते हुये यह विश्वास व्यक्त किया है कि एक महीने के अंदर कोरोना को हराना है। उन्होंने कहा कि इसलिए प्रधानमंत्री ने रमजान का उल्लेख करते हुए कहा की ईद आने तक इस बीमारी को हराने में कामयाबी मिल सकेगी। जावड़ेकर ने कहा कि प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में रविवार को बसवेश्वर जयंती,अक्षय तृतीया और जैन पर्व के अलावा हाल ही में मनाये गये ईस्टर पर्व का भी उल्लेख करते हुये कहा कि देशवासियों ने अपने घरों में रहकर और जरूरतमंद लोगों की सहायता कर, ये पर्व मनाये। जावड़ेकर ने कहा कि मुझे लगता है आज कोरोना के संकट से प्रभावी रूप से संकल्पबद्ध होने के लिये प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संदेश से आवश्यक मार्गदर्शन किया है।

कोरोना लॉकडाउन ने किया गंगा नदी का कायाकल्प

स्वच्छता के साथ घुलनशील ऑक्सीजन की मात्रा भी बढ़ी

नई दिल्ली, (आरएनएस)। कोरोना वायरस के मद्देनजर लागू देशव्यापी लॉकडाउन के दौरान गंगा नदी पहले से अधिक साफ हुई है और नदी के पानी में घुलनशील ऑक्सीजन की मात्रा बढ़ी है। राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन (एनएमसीजी) के महानिदेशक राजीव रंजन मिश्रा ने यह जानकारी दी। राजीव रंजन मिश्रा ने कहा कि लॉकडाउन के कुछ ही दिन बाद हमने केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) और संबंधित राज्यों के साथ बैठक की और उनसे नदी जल की गुणवत्ता की निगरानी के संबंध में अध्ययन पर चर्चा की।

उन्होंने कहा कि इसके आधार पर जल गुणवत्ता निगरानी स्टेशनों ने अप्रैल में गंगा नदी के जल के अलग अलग स्थानों से नमूने एकत्र किए और इन्हें अध्ययन के लिये भेजा गया। एनएमसीजी के महानिदेशक मिश्रा ने कहा कि इसकी प्रारंभिक रिपोर्ट हमें प्राप्त हो गई है और इससे स्पष्ट हुआ है कि गंगा नदी पहले की तुलना में साफ हुई है। उन्होंने कहा कि गंगा नदी के जल में अनेक स्थानों पर घुलनशील ऑक्सीजन का स्तर काफी बढ़ गया है जो जल के साफ होने का स्पष्ट संकेत है। मिश्रा ने कहा कि कई स्थानों पर नदी जल में जैविक ऑक्सीजन मांग (बीओडी) का स्तर पहले की तुलना में कम हुआ है। इससे सिद्ध होता है कि नदी जल की गुणवत्ता बेहतर हुई है। उन्होंने बताया कि जल में घुलनशील ऑक्सीजन का स्तर 5 मिलीग्राम / लीटर से अधिक होना चाहिए और बीओडी का स्तर 3 मिलीग्राम / लीटर से कम होना चाहिए। इन दोनों मानकों पर गंगा नदी के जल की गुणवत्ता पहले से बेहतर हुई है।गौरतलब है कि केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के आंकड़ों के अनुसार ज्यादातर निगरानी केंद्रों में गंगा नदी के पानी को नहाने लायक पाया गया है। सीपीसीबी के वास्तविक समय के निगरानी आंकड़ों के अनुसार, गंगा नदी के विभिन्न बिन्दुओं पर स्थित 36 निगरानी इकाइयों में करीब 27 बिन्दुओं पर पानी की गुणवत्ता नहाने और वन्यजीव तथा मत्स्य पालन के अनुकूल पाई गई।एनएमसीजी के महानिदेशक ने कहा कि लॉकडाउन लागू होने के दौरान जल मल शोधन संयंत्र (एसटीपी) का परिचालन सुचारू रूप से हो रहा है और नदी जल के साफ होने के कारणों में यह भी महत्वपूर्ण है ।